Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

Roll No. | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. _____

(In words)

Test Booklet No.

D—7306

PAPER—III
SANSKRIT TRADITIONAL SUBJECT

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **40** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नज़्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उज़र, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिज़्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिज़्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारज़्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निज़्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संज़्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उज़र-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उज़र-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उज़र-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले / काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उज़र के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

संस्कृत-परम्परागत-विषयः

SANSKRIT TRADITIONAL SUBJECT

प्रश्नपत्रम्—III

प्रश्न-पत्र—III

PAPER—III

टिप्पणी : अस्य प्रश्नपत्रस्य शतद्वयम् (200) अङ्काः सन्ति एवम् अस्मिन् चत्वारि (4) खण्डानि सन्ति। अभ्यर्थिभिः एषु समाहितानां प्रश्नानामुत्तरं पृथग्विहितविस्तृत निर्देशानुसारं देयम्।

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

NOTE: **This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.**

खण्डम्—I
खण्ड—I
SECTION - I

टिप्पणी : अस्मिन् खण्डे निज़्नाङ्कितानुच्छेदानाश्रित्य पञ्च **(5)** प्रश्नाः सन्ति। प्रत्येकज़्प्रश्नः प्रायः त्रिंशत् **(30)** शज़्दैः समपेक्ष्यते। प्रत्येकज़्प्रश्नः **(5)** पञ्चाङ्कोऽस्ति। **(5x5=25 अंङ्काः)**

नोट : इस खंड में निज़्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच **(5)** प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्नका उज़र लगभग तीस **(30)** शज़्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच **(5)** अंकों का है। **(5x5=25 अंक)**

Note : This section contains five **(5)** questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty **(30)** words and each carries five **(5)** marks. **(5x5=25 marks)**

व्याघ्र उवाच-श्रणुरे पान्थ! प्रागेव यौवनदशायां मतिदुर्वृज़ आसम्। अनेक गोमानुषाणां वधान्मे पुत्रा मृता दाराश्च। वंशहीनश्चाहम्। ततः केनचिद्धार्मिकेणाहमादिष्टः - 'दानधर्मादिकं चरतु भवान्।' तदुपदेशादिदानीमहं स्नानशीलो दाता वृद्धो गलितनखदन्तो कथं न विश्वासभूमिः यतः -

इज़्याध्ययनदानानि तपः सत्यं धृतिः क्षमा।

अलोभ इति मार्गोऽयं धर्मस्याष्टविधः स्मृतः।।

तत्र पूर्वश्चतुर्वर्गो दज़्भार्थमपि सेव्यते।

उज़रस्तु चतुर्वर्गो महात्मन्येव तिष्ठति।।

1. व्याघ्रस्य इयं दशा कथं संज्ञाता?

2. व्याघ्रः सज्प्रति कथं विश्वासभूमिः ?

3. धर्मस्य अष्टविधः मार्गः कः ?

4. चतुर्वर्गप्राप्त्यर्थं कः मार्गः ?

5. अनेन कथानकेन किमवगज़्यते ?

खण्डम्—II

खण्ड—II

SECTION - II

टिप्पणी : अस्मिन् खण्डे **(5)** पञ्चाङ्कात्मका: पञ्चदश **(15)** प्रश्ना: सन्ति। प्रत्येकं प्रश्नस्य उज़रं प्राय: त्रिंशत् **(30)** शज़्दैरपेक्ष्यते।

(5x15=75 अंङ्का:)

नोट : इस खंड में पाँच-पाँच **(5-5)** अंकों के पंद्रह **(15)** प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उज़र लगभग तीस **(30)** शज़्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच **(5)** अंकों का है।

(5x15=75 अंक)

Note : This section contains fifteen **(15)** questions each to be answered in about thirty **(30)** words. Each question carries five **(5)** marks.

(5x15=75 marks)

6. ग्रहाणां नैसर्गिकी मैत्री वर्णनीया।

ग्रहों की नैसर्गिक मैत्री का वर्णन कीजिए।

Discuss the नैसर्गिक मैत्री of the planets.

7. नामकरणमुहूर्तं प्रतिपादयत।
नामकरणमुहूर्त बतलाइये।
Describe the नामकरणमुहूर्त.

8. कल्पमानं सप्रमाणं निरूपयत।
प्रमाणसहित कल्प का मान बतलाइये।
Determine the कल्पमान with proofs.

9. व्याज़्यायताम् –

व्याज़्या कीजिए –

Explain -

''अक: सवर्णे दीर्घ:।''

10. ससूत्रं व्युत्पज़ि: प्रदर्शनीया –

ससूत्र व्युत्पज़ि बतलाइए –

Derive by quoting rules -

''पत्नी''

11. व्याज़्यात -

व्याज़्या कीजिए -

Explain -

''स्वत:प्रामाण्यम्''।

12. न्यायमतानुसारं द्रव्यलक्षणं विवृणुत।

न्याय मत के अनुसार द्रव्यलक्षण का विश्लेषण कीजिए।

Explain the definition of द्रव्य according to the न्याय.

13. ''उपादानग्रहणाद्'' इति सत्कार्यवादसाधकं हेतुं विवृणुत।

''उपादानग्रहणात्'' इस सत्कार्यवादसाधक हेतु का विवरण कीजिए।

''उपादानग्रहणात्'' - Explain this argument justifying सत्कार्यवाद

14. सङ्क्षेपेण भुवनकोशस्य विषयं निरूपयत।

संक्षेप में भुवनकोश का विषय बतलाइए।

Write in brief about भुवनकोश.

15. वेदभाष्यक्षेत्रे स्कन्दस्वामिनः योगदानं विमृशत।

वेदभाष्यक्षेत्र में स्कन्दस्वामी का योगदान बतलाइए।

Determine the contribution of स्कन्दस्वामिन् to the field of वेदभाष्य.

16. व्याज़्यात -

व्याज़्या कीजिए -

Explain -

''रमणीयार्थप्रतिपादकः शज़्दः काव्यम्।''

17. रससूत्रव्याज़्याने भट्टनायकस्य मतं संक्षेपेण प्रतिपादयत।

रससूत्रव्याज़्यान में भट्टनायक के मत को संक्षेप में बतलाइए।

Explain in brief of the view of भट्टनायक in the interpretation of the रससूत्र.

18. मानवतावादस्य परिचयो देयः।

मानवतावाद का परिचय दीजिए।

Give an account of मानवतावाद.

19. विवर्ज़वादं प्रतिपादयत।

विवर्ज़वाद का प्रतिपादन कीजिए।

Explain विवर्ज़वाद.

20. अध्यासं सदृष्टान्तं विवृणुत।

अध्यास को सदृष्टान्त विवरण कीजिए।

Explain अध्यास with examples.

खण्डम्—III
खण्ड—III
SECTION - III

टिप्पणी : अस्मिन् खण्डे प्रत्येकम् ऐच्छिकेवर्गः/विशेषज्ञतानुसारं पञ्च (5) प्रश्नाः सन्ति। अज़्यर्थिना केवलमेकमेवैच्छिक वर्गं/विशेषज्ञताम् आश्रित्य तस्मादेव प्रञ्च प्रश्नाः समाधेयाः। प्रत्येकं प्रश्नः (12) द्वादशाङ्कात्मकोऽस्ति, एवं तदुज़रं प्रायः शतद्वय (200) शज़्दैःअपेक्ष्यते।

(12x5=60 अंङ्काः)

नोट : इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से पाँच (5) प्रश्न हैं। अज़्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से पाँचो प्रश्नों का उज़र देना है। प्रत्येक प्रश्न बारह (12) अंकों का है व उसका उज़र लगभग दो सौ (200) शज़्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

Note : This section contains five (5) questions from each of the electives / specialisations. The candidate has to choose only one elective / specialisation and answer all the five questions from it. Each question carries twelve (12) marks and is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

ज्योतिषम्

21. बालारिष्टयोगं निरूप्य तद्भङ्गोऽपि लेखनीयः।
बालारिष्टयोग का निरूपण कर उसका भङ्ग भी बतलाइए।
Describe बालारिष्टयोग and its भङ्ग.

22. सप्तमभावस्य विचारणीयान् विषयान् निरूपयत।
सप्तमभाव के विचारणीय विषयों का निरूपण कीजिए।
Describe the subjects of सप्तमभाव.

23. व्याज़्यायताम् –
व्याज़्या कीजिए –
Explain -

शनिर्भौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

24. स्वकल्पितोदाहरणेन दशासाधनं विधीयताम्।
अपने कल्पित उदाहरण के द्वारा दशासाधन कीजिए।
Calculate the दशा with your own example.

25. द्वौ नाभसयोगौ विलिखनीयौ।
दो नाभसयोग लिखिए।
Write about two नाभसयोगs.

सिद्धान्तज्यौतिषम्

21. व्याज़्यायताम् –
व्याज़्या कीजिए –
Explain -
असंक्रान्तिमासोऽधिमासः स्फुटं स्यात्।

22. देशान्तरसाधनमुपपाद्यताम्।
देशान्तरसाधन की उपपज़ि बतलाइए।
Critically examine देशान्तरसाधन.

23. चन्द्रग्रहणं कदा सज़्भाव्यते ? संक्षेपेण निरूप्यताम्।
चन्द्रग्रहण कब पड़ता है ? संक्षेप में बतलाइए।
When is चन्द्रग्रहण possible ? Explain in brief.

24. समीक्ष्यताम् –
समीक्षा कीजिए –
Critically examine -
''मान्दं कर्मैकमर्केन्दोः''

25. उपपाद्यताम् –
उपपादन कीजिए –
Justify -

$$\frac{\text{भुजज्या} \times \text{परम क्रान्तिज्या}}{\text{त्रिज्या}} = \text{क्रान्तिज्या}$$

व्याकरणम्

21. शज़्दब्रह्मवादः सज़्यगुपपाद्यताम्।
शज़्दब्रह्मवाद का सज़्यक् विवेचन कीजिए।
Discuss शज़्दब्रह्मवाद critically.

22. संक्षेपेण मतुबर्थकप्रत्ययाः आलोच्यन्ताम्।
संक्षेप में मतुबर्थक प्रत्ययों पर विचार कीजिए।
Briefly discuss the मतुबर्थक suffixes.

23. ध्वनिस्फोटयोर्भेदं स्पष्टीकुरुत।
ध्वनि और स्फोट के भेदों को स्पष्ट कीजिए।
Clearly distinguish between ध्वनि and स्फोट.

24. व्याकरणाध्ययनस्य मुज्यप्रयोजनानि निर्दिशत।
व्याकरण के अध्ययन के मुज्य प्रयोजन लिखिए।
Discuss the primary purposes of the study of व्याकरण.

25. संक्षेपेण कृत्यप्रत्ययान् विवेचयत।
संक्षेप में कृत्यप्रत्ययों का विवेचन कीजिए।
Briefly discuss the कृत्य suffixes.

मीमांसा

21. मीमांसानुसारं विधिं निरूपयत।
मीमांसा के अनुसार विधि का निरूपण कीजिए।
Explain विधि according to मीमांसा.

22. अन्विताभिधानवादं वर्णयत।
अन्विताभिधानवाद का वर्णन कीजिए।
Discuss अन्विताभिधानवाद.

23. श्रौतयागानां सामान्यनियमान् प्रदर्शयत।
श्रौतयागों के सामान्य नियम बताइए।
Describe the general rules of श्रौतयागs.

24. मीमांसानुसारम् अपूर्वं विवेचनीयम्।
मीमांसा के अनुसार अपूर्व का विवेचन करें।
Discuss अपूर्व according to मीमांसा.

25. अर्थवादस्वरूपं वर्णयत।
अर्थवाद के स्वरूप का वर्णन कीजिए।
Describe the nature of अर्थवाद.

नव्यन्यायः

21. परत:प्रामाण्यवादं सोपपज़िकं निरूपयत।
परत:प्रामाण्यवाद को सोपपज़ि निरुपित कीजिए।
Discuss परत:प्रामाण्यवाद critically.

22. परमाणुकारणवादं प्रतिपादयत।
परमाणुकारणवाद को प्रतिपादित कीजिए।
Discuss परमाणुकारणवाद.

23. नव्यन्यायमनुसृत्य ईश्वरस्वरूपं प्रतिपादयत।
नव्यन्यायमत के अनुसार ईश्वरस्वरूप का प्रतिपादन कीजिए।
Explain the nature of ईश्वर according to नव्यन्याय.

24. अभावपदार्थं विमृशत।
अभावपदार्थ का विवेचन कीजिए।
Discuss अभावपदार्थ.

25. नव्यन्यायमनुसृत्य मोक्षस्वरूपं निरूपयत।
नव्यन्याय के अनुसार मोक्षस्वरूप बतलाइए।
Discuss the nature of मोक्ष according to नव्यन्याय.

सांज़्ययोगौ

21. सत्कार्यवादसिद्धान्तं सोपपज़िकं प्रतिपादयत।
सत्कार्यवाद सिद्धान्त का युज़्तियुज़्त प्रतिपादन कीजिए।
Explain the doctrine of सत्कार्यवाद with justification.

22. सांज़्यदर्शनप्रतिपादितं मोक्षस्वरूपं विमृशत।
सांज़्यदर्शन के अनुसार मोक्षस्वरूप का विमर्श कीजिए।
Discuss critically the nature of मोक्ष as propounded in सांज़्यदर्शन.

23. सांज़्यसज़्मतानि प्रमाणानि विवेचयत।
सांज़्यसज़्मत प्रमाणों का प्रतिपादन कीजिए।
Explain the प्रमाणs admitted by सांज़्यs.

24. असज़्प्रज्ञातसमाधिस्वरूपमुपपादयत।
असज़्प्रज्ञातसमाधिस्वरूप को प्रतिपादित कीजिए।
Explain the nature of असज़्प्रज्ञातसमाधि.

25. योगाङ्गानि निर्दिश्य यमस्वरूपं विशदं निरूपयत।
योगाङ्गों का निर्देश कर के यमस्वरूप का स्पष्ट निरूपण कीजिए।
Mention the योगाङ्गs and explain the nature of यम in details.

तुलनात्मकदर्शनम्

21. सर्वदर्शनानुसारं कर्मसिद्धान्तं विवेचयत।
सर्वदर्शन के अनुसार कर्मसिद्धान्त का विवेचन कीजिए।
Write a critical note on कर्मसिद्धान्त according to all दर्शनs.

22. बुद्धिवादप्रत्ययवादयोः अन्तरं प्रतिपादयत।
बुद्धिवाद और प्रत्ययवाद का अंतर बतलाइए।
Distinguish between बुद्धिवाद and प्रत्ययवाद.

23. व्याज़्यायताम् -
व्याज़्या कीजिए -
Comment on -
''ब्रह्म सत्यं जगन्मिथ्या।''

24. नास्तिकवादं खण्डयत।
नास्तिकवाद का खण्डन कीजिए।
Refute नास्तिकवाद.

25. प्रकृति परिणामवाद - ब्रह्मपरिणामवादयोः अन्तरं विशदयत।
प्रकृतिपरिणामवाद और ब्रह्मपरिणामवाद का अन्तर बतलाइए।
Bring out the difference between प्रकृतिपरिणामवाद and ब्रह्मपरिणामवाद.

शुज़्लयजुर्वेदः

21. वेदकालनिर्णयं कुरुत।
वेदों का काल निर्धारित कीजिए।
Determine the age of the Veda.

22. वैदिकदेवतानां वैशिष्ट्यानि वर्णयत।
वैदिक देवताओं की विशेषताएं बताइए।
Describe the characteristics of Vedic देवताs.

23. माध्यन्दिनशतपथब्राह्मणस्य स्वरूपं तद्वैशिष्ट्यंच निरूपयत।
माध्यन्दिनशतपथब्राह्मण का स्वरूप एवं विशेषताएं बताइए।
Explain the nature and characteristics of माध्यन्दिनशतपथब्राह्मण.

24. गृह्यसूत्राणामुपयोगितां वर्णयत।
गृह्यसूत्रों की उपयोगिता का वर्णन कीजिए।
Point out the utility of गृह्यसूत्रs.

25. शुज़्लयजुर्वेद राजनैतिकजीवनस्य का स्थितिः इति विवेचयत।
शुज़्लयजुर्वेद में राजनैतिक जीवन की ज़्या स्थिति है? विवेचन कीजिए।
What is state of political life in शुज़्लयजुर्वेद? Discuss.

माध्ववेदान्तः

21. अनुप्रमाणं विभज्य लक्षयित्वा मानान्तराणां तत्र अन्तर्भावं प्रदर्शयत।
अनुप्रमाण के भेद बतलाकर अन्य प्रमाणों में उसका अन्तर्भाव दिखलाइए।
Define the different types of अनुप्रमाण and show the inclusion of other प्रमाणs in them.

22. जीवब्रह्मणोः भेदं मध्वदिशा प्रतिपादयत।
मध्व के अनुसार जीव और ब्रह्म का भेद बतलाइए।
Describe the difference between जीव and ब्रह्मन् according to मध्व.

23. 'तज़्वमसि' इति महावाज़्यार्थं द्वैतदिशा वर्णयत।
द्वैत रीति से 'तज़्वमसि' इस महावाज़्य का विवेचन कीजिए।
Describe the meaning of the sentence तज़्वमसि according to मध्व.

24. अनिर्वचनीयज़्यातिं मध्वदिशा प्रतिपादयत।
मध्वरीति से अनिर्वचनीयज़्याति को बतलाइए।
Describe अनिर्वचनीयज़्याति according to मध्व.

25. ''विष्णोः सर्वोज़मत्वमेव सर्वशास्त्रार्थत्वम्'' - समर्थयत।
''विष्णोः सर्वोज़मत्वमेव सर्वशास्त्रार्थत्वम्'' का समर्थन कीजिए।
''विष्णोः सर्वोज़मत्वमेव सर्वशास्त्रार्थत्वम्'' - Substantiate this statement.

धर्मशास्त्रम्

21. ''श्रुतिस्तु वेदो विज्ञेयो धर्मशास्त्रं तु वै स्मृतिः'' इत्यस्याशयं स्पष्टीकृत्य विविच्यताम्।
''श्रुतिस्तु वेदो विज्ञेयो धर्मशास्त्रं तु वै स्मृतिः'' इसके आशय का स्पष्टीकरण करते हुए विवेचन कीजिए।
''श्रुतिस्तु वेदो विज्ञेयो धर्मशास्त्रं तु वै स्मृतिः''
Clarify the above statement and explain with your opinion.

22. ''वेदोऽखिलोधर्ममूलम्'' इत्यस्य विवेचनं कुरुत।
''वेदोऽखिलोधर्ममूलम्'' इस वाज़्य का विवेचन कीजिए।
''वेदोऽखिलोधर्ममूलम्''
Explain the above statement.

23. सनातनधर्मस्य स्वरूपं विविच्यताम्।
सनातनधर्म के स्वरूप और लक्षण का विवेचन कीजिए।
Explain the nature of सनातनधर्म and its structure with clarification.

24. ''आचारः परमोधर्मः'' इत्यस्याशयं स्पष्टयत।
''आचारः परमोधर्मः'' इसका आशय स्पष्ट कीजिए।
''आचारः परमोधर्मः''
Clarify the above statement with your opinion.

25. ''स्त्रीशूद्रद्विजादीनां त्रयी न श्रुतिगोचरा'' इत्यस्यधर्मशास्त्रीयं प्रमाणं स्पष्टयत।
''स्त्रीशूद्रद्विजादीनां त्रयी न श्रुतिगोचरा'' इसका धर्मशास्त्रीय प्रमाण देकर स्पष्ट कीजिए।
''स्त्रीशूद्रद्विजादीनां त्रयी न श्रुतिगोचरा''
Give the धर्मशास्त्रीय प्रमाण and Clarify the above statement.

साहित्यम्

21. व्याज़्यायताम् -
व्याज़्या कीजिए -
Explain -
''कान्तासंमिततयोपदेशयुजे।''

22. अभिहितान्वयवादं विवृणुत।
अभिहितान्वयवाद का विवरण कीजिए।
Explain अभिहितान्वयवाद.

23. समर्थयत -
समर्थन कीजिए -
Justify -
''काव्यस्यात्माध्वनिः।''

24. वक्रोक्तिसिद्धान्तानुसारं काव्यलक्षणं विशदयत।
वक्रोक्तिसिद्धान्त के अनुसार काव्यलक्षण को स्पष्ट कीजिए।
Elucidate the काव्यलक्षण according to the वक्रोक्तिसिद्धान्त.

25. व्याज़्यायताम् -
व्याज़्या कीजिए -
Explain -
''रीतिरात्मा काव्यस्य।''

पुराणेतिहासौ

21. पुराणमहज़्वमद्यत्वेऽपि वर्तत इति साधयत।
पुराण का महत्व आज भी है - इस बात को सिद्ध कीजिए।
Show that the पुराणs are valuable even today.

22. दशावतारान्निर्दिश्य श्रीकृष्णावतारस्य वैशिष्ट्यानि प्रतिपादयत।
दशावतारों का निर्देश कर के श्रीकृष्णावतार का वैशिष्ट्य बतलाइए।
Mention the ten अवतारs and explain the special characteristics of श्रीकृष्णावतार.

23. मणिद्वीपं यथाशास्त्रं समुपवर्णयत।
मणिद्वीप का यथाशास्त्र वर्णन कीजिए।
Describe मणिद्वीप according to शास्त्र.

24. महाभारतकालीनां सामाजिकीं स्थितिं निर्दिशत।
महाभारत काल की सामाजिक परिस्थिति का निर्देश कीजिए।
Describe the social conditions in the age of the महाभारत.

25. विदुरनीतेः वैशिष्ट्यानि प्रतिपादयत।
विदुरनीति के वैशिष्ट्यों को प्रतिपादित कीजिए।
Discuss the special features of विदुरनीति.

आगम

21. व्याज़्यायताम् –
व्याज़्या कीजिए –
Explain -
''पाशमुज़्तः सदाशिवः।''

22. अन्तर्यागबहिर्यागयोरन्तरं निरूप्यताम्।
अन्तर्याग और बहिर्याग का अन्तर बतलाइए।
Determine the difference between अन्तर्याग and बहिर्याग.

23. आगमानुसारं शिवतज़्वं विविच्यताम्।
आगम के अनुसार शिवतज़्व की विवेचना कीजिए।
Critically examine the शिवतज़्व according to आगम.

24. विविच्यताम् –
विवेचन कीजिए –
Critically examine -
मोदनात् सर्वदेवानां द्रावणात् पापसन्ततेः।
तस्मान् मुद्रेति विज़्याता दिव्यसंकेतदायिनी।।

25. बीजमन्त्रेषु किमस्ति बीजत्वम्? स्पष्टीक्रियताम्।
बीजमन्त्रों में बीजत्व ज़्या है? स्पष्ट कीजिए।
What is the बीजत्व in बीजमन्त्रs ? Explain clearly.

अद्वैतवेदान्तः

21. ब्रह्मजगतः उपादानकारणं निमिज़कारणं चेति स्थापयत।
ब्रह्म जगत् का उपादान और निमिज़कारण है – यह स्थापित कीजिए।
Establish that Brahman is the material cause and efficient cause of the world.

22. अद्वैतानुसारेण जीवस्वरूपं विवृणुत।
अद्वैतमतानुसार जीव का स्वरूप बतलाइए।
Describe the nature of Jive according to Advaita.

23. प्रधानं जगत्कारणमिति सांज़्यमतं खण्डयत।
प्रधान जगत् का कारण है – इस सांज़्यमत का खण्डन कीजिए।
Refute the Samkhya view that Pradhana is the cause of Jagat.

24. तज़्वमसीति वाज़्यस्य अखण्डार्थत्वं बोधयत।
''तज़्वमसि' इस वाज़्य का अखण्डार्थ बतलाइए।
Explain the अखण्डार्थ of the mahavakya तज़्वमसि.

25. अद्वैतानुसारेण मुज़्तिःकतिविधा ? विशदयत।
अद्वैतानुसार मुज़्ति कितने प्रकार की होती है। विस्तार से बतलाइए।
How many types of Mukti are found in Advaita Vedanta ? Elucidate.

खण्डम्—IV
खण्ड—IV
SECTION - IV

टिप्पणी : अस्मिन् खण्डे चत्वारिंशदङ्कात्मकः (40) निबन्धाश्रेणीकः एकः प्रश्नोऽस्ति, यस्योज़रं निज़्नविषयेवु अन्यनममाश्रित्य प्रायः सहस्रमितैः (1000) शज़्दैरपेक्ष्यते।

(40x1=40 अंङ्काः)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंकों का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उज़र निज़्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शज़्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics.

(40x1=40 marks)

26. संस्कृतभाषया कमप्येकं विषयमाश्रित्य निबन्धो लेखनीयः -

किसी एक विषय पर संस्कृत में निबन्ध लिखिए -

Write an essay in Sanskrit on any one of the following topics -

(क) जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी।

(ख) संस्कृतिः संस्कृताश्रिता।

(ग) वसुधैव कुटुज़्बकम्।

(घ) वैश्वीकरणस्य औचित्यम्।

(ङ) विद्याधनं सर्वधनप्रधानम्।

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....